वि. वि. मं.

रामकृष्ण महादेव साळगांवकर उच्च माध्य. विद्यालय

कोंब मडगांव गोवा

प्रथम सत्र परीक्षा

कक्षा : ११ वीं | विषय : हिन्दी | समय : ३ घंटे

दिनांक: ९ |१० |२०२५ | अंक: ८०

सामान्य निर्देश :

१. कुल प्रश्न ४२ हैं
२. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
३. दायी ओर दर्शायी हुई संख्या प्रश्न के अंक दर्शाती है।

खंड - क (कुल अंक १५)

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

आदमी तीन तरह के होते है १) समय पर न मिलनेवाले २) समय पर किसी के घर न जानेवाले और ३) न समय पर घर मिलनेवाले , न समय पर किसी के घर जानेवाले। इसके बाद कुछ मुट्टी भर जीवधारी बचते है , जो समय पर घर मिलते है और समय पर दूसरे के घर भी जाते है। सज्जनतावश हम इन्हें भी आदमी कहते हैं। ये असल में टाइम पीस है। ये घर में रहेंगे , तो टाइम पीस देखते रहेंगे और बाहर होंगे तो हाथ घडी देखते रहेंगे। इन्हें हम बरदाश्त कर लेते हैं , मगर इनकी चर्चा करना व्यर्थ है। चर्चा उनकी करनी है ,जिन्होंने सुबह आठ बजे घर पर मिलने का वादा किया था , पर वे घर पर नहीं है। हम उनकी बैठक में इंतजार कर रहे है। बडा लडका शिष्टता का निर्वाह करने के लिए बैठा हुआ कोई किताब पढ रहा है। वह बीच बीच में आँखों की कोर से हमे देख लेता है कि हम उठने की तैयारी कर रहे है या नहीं। हम तनाव कम करने के लिए उससे उसकी पढाई के बारे में पूछ लेते है , खेलने के बारे में बात कर लेते है। वह हमारे बडे सवाल का छोटा सा जवाब दे देता है और हमे लगता है कि हम बच्चे है और किसी बुजुर्ग के सामने बचकानी बक बक कर रहे है। हम अखबार पढने लगते है। समाचार पढकर विज्ञापन पढने लगते है। बीच बीच में पूछ लेते है ,कहा गए है ? वह जवाब देता है " पता नहीं "

१. प्रस्तुत गद्यांश में किन तीन तरह के आदमियों के बारे बताया गया है ? १
२. ' समय ' शब्द का विशेषण रूप लिखिए। १
३. लेखक के अनुसार चर्चा किनकी होनी चाहिए ? १
४. ' वादा करना ' मुहावरे का अर्थ लिखिए। १
५. 'आदमी' शब्द की भाववाचक संज्ञा लिखिए। १
६. 'उक्त गद्यांश में ' निरर्थक' शब्द के लिए कौनसा समानार्थी शब्द आया है ? १
७. लडका शिष्टता का निर्वाह कैसे कर रहा था ? २
८. लेखक ने मुट्टी भर जीवधारीयों की क्या विशेषताएँ बताई है ? २

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(लगभग १५ से २० शब्दों में)

देखो ,उधर पूरब में ,
आकाश के थाल पर ,
गहन अंधकार को चीर ,
सूरज झलक रहा ,
हो रहा उसका उदय ही ,

होगी जय निश्चय ही।
यह सारे हैं केवल रात के दैत्य,
सब भीतर से हैं खोखले,
इनसे न डर,
आयेगा सवेरा जरूर,
इसमें संशय नहीं,
होगी जय निश्चय ही।
दौड़, निकल आ घर से,
देख, बाहर हो रहा प्रकाश,
निकलेगा सूरज निश्चय ही,
होगी जय निश्चय ही।

९. कवि को किस बात का विश्वास है ? १
१०.रात के दैत्य की क्या विशेषता है ? १
११. सूरज कहाँ झलक रहा है ? १
१२.सूरज निकलने पर कवि हमसे क्या करने के लिए कहता है ? १
१३.'उदय'शब्द का विलोमार्थी शब्द लिखिए ? २

खंड - ख (कुल अंक ४०)

निम्नलिखित पठित काव्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

हे मद ! मत कर मदहोश
ईर्ष्या, जला मत
ओ चराचर ! मत चूक अवसर
आई हूँ संदेश लेकर चन्नमल्लिकार्जुन का

१४) उक्त पंक्तियाँ किसने लिखी है ? १
१५) इस कविता में कवयित्रीने क्या संदेश दिया है ? १
१६) पहले वचन में मनुष्य के कौन कौन से विकारों का उल्लेख किया है ? १
१७) 'ओ चराचर ! मत चूक अवसर' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। २

अथवा

घर कि घर में सब जुड़े हैं,
सब कि इतने कब जुड़े हैं,
चार भाई चार बहिनें,
भुजा भाई प्यार बहिनें।

१४) कवि बहनों को किसका प्रतीक मानता है ? १
१५) रात भर पानी गिरने की तुलना कवि ने किससे की है ? १
१६) कवि किसे अपना संदेशवाहक बनाकर परिवार के पास भेजता है ? १
१७) कवि ने अपने घर को परिताप का घर क्यों कहा है ? २

१८) निम्नलिखित काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट करते हुए शिल्प संबंधी कोई दो विशेषताएँ लिखिए। (लगभग ५० शब्दों में) ४

माया देखि के जगत लुभानां काहे रे नर गरबांना।
निरभै भया कछू नहिं ब्यापै कहै कबीर दिवांनां॥

अथवा

चंपा बोली : तुम कितने झूठे हो , देखा ,
हाय राम , तुम पढ - लिख कर इतने झूठे हो
मैं तो ब्याह कभी न करूँगी
और कहीं जो ब्याह हो गया
तो मैं अपने बालम को सँग साथ रखूँगी
कलकत्ता मैं कभी न जाने दूँगी
कलकत्ते पर बजर गिरे ।

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर लिखिए । (लगभग ४० शब्दों में) ६

१९) ' ईश्वर एक है ' यह समझाने के लिए कबीर ने क्या तर्क दिये है ?

अथवा

१९) कवि किस प्रकार चंपा को पढने लिखने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करता है ?

२०) ' हे भूख मत मचल ' कविता का भाव स्पष्ट किजिए ।

अथवा

२०) कवि अपनी किन स्थितियों को परिवार से छिपाना चाहता है ?

निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए
(लगभग १० से २० शब्दों में)

दुनिया सोती थी , पर दुनिया की जीभ जागती थी । सवेरे देखिए तो बालक वृध्द सबके मुँह से यही बात सुनाई देती थी । जिसे देखिए , वही पंडितजी के इस व्यवहार पर टीका टिप्पणी कर रहा था , निंदा की बौछारें हो रही थीं , मानो संसार से अब पापी का पाप कट गया । पानी को दूध के नाम से बेचनेवाला ग्वाला , कल्पित रोजनामचे भरनेवाले अधिकारी वर्ग , रेल में बिना टिकट सफर करनेवाले बाबू लोग , जाली दस्तावेज बनानेवाले सेठ और साहूकार , यह सब के सब देवताओं की भाँति गरदने चला रहे थे । जब दूसरे दिन पंडित अलोपीदीन अभियुक्त होकर कांस्टेबलों के साथ , हाथों में हथकडियाँ ,हृदय में ग्लानि और क्षोभभरे , लज्जा से गरदन झुकाए अदालत की तरफ चले , तो सारे शहर में हलचल मच गई । मेलों में कदाचित् आँखे इतनी व्यग्र न होती होगी । भीड के मारे छत और दीवार में कोई भेद न रहा ।

२१.वंशीधर के पिताजी ने मासिक वेतन के बारे क्या कहा है ? १
२२. अफसर वंशीधर पर मोहित क्यों थे ? १
२३.पंडित अलोपीदीन ने वंशीधर को अपना मैनेजर क्यो बनाया ? १
२४.वंशीधर ने जब पंडित अलोपीदीन को हिरासत में लिया तो आस पास के क्षेत्रो के लोगों कि क्या प्रतिक्रिया थी ? २

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (लगभग ८० शब्दों में) १०

२५. रोजगार के बारे में वंशीधर के पिताजीने उन्हें क्या सलाह दी ?

अथवा

२५.शिवशंभु की दो गायों की कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहते है ?

२६. 'पथेर पांचाली' फिल्म की शूटिंग के दौरान लेखक के सामने कौन कौनसी समस्याएँ आयी ?

अथवा

२६.मियाँ नसीरुद्दीन लेखिका की किस बात से नाराज होकर बेरुखी दिखाने लगे तथा क्यों ?

निम्नलिखित पठित गद्यांश (वितान) के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

एक प्रश्न उपस्थित किया जाता है कि शास्त्रीय संगीत में लता का स्थान कौन सा है।मेरे मत से यह प्रश्न खुद ही प्रयोजनहीन है। उसका कारण यह है कि शास्त्रीय सगीत और चित्रपट संगीत में तुलना हो ही नहीं सकती। जहाँ गंभीरता शास्त्रीय संगीत का स्थायीभाव है वही जलदलय और चपलता चित्रपट संगीत का मुख्य गुणधर्म है। चित्रपट संगीत का ताल प्राथमिकअवस्था का ताल है, जबकी शास्त्रीय संगीत में ताल अपने परिष्कृत रूप में पाया जाता है। चित्रपट सगीत में आधे तालों का उपयोग किया जाता है। उसकी लयकारी बिलकुल अलग होती है, आसान होती है। यहाँ गीत और आघात को ज्यादा महत्त्व दिया जाता है। सुलभता और लोच को अग्र स्थान दिया जाता है, तथापि चित्रपट सगीत गाने वाले को शास्त्रीय संगीत की उत्तम जानकारी होना आवश्यक है और लता के पास निःसंशय है। तीन साढे तीन मिनट के गाए हुए चित्रपट के किसी गाने का और एकाध शास्त्रीय गायक की तीन साढे तीन घंटे की महफिल, इन दोनों का कलात्मक और आनंदात्मक मूल्य एक ही है, ऐसा मैं मानता हूँ।

२७. पहली बार लता का गाना सुनने के बाद लेखक ने क्या महासूल किया ? १
२८. लता मंगेशकर को कौन सी उपाधि से नवाजा गया था ? १
२९. शास्त्रीय संगीत के गायक संगीत के क्षेत्र में किसे अधिक महत्व देते है ? १
३०. शास्त्रीय संगीत में लता का स्थान कौन सा है ? यह प्रश्न पूछना प्रयोजनहीन है ऐसा लेखक ने क्यों कहा है ? २
३१. इस पाठ में शास्त्रीय संगीत और चित्रपट संगीत में क्या अंतर बताया है ? २
३२. लेखक ने लता मंगेशकर की गायकी की कौन कौन सी विशेषताएँ बताई है ? २
३३.उक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है तथा उसके लेखक कौन है ? २

खंड - ग (कुल अंक २५)

निम्नलिखित माध्यम और लेखन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। ५
३४. संचार के साधन कौन कौन से है ?
३५. साक्षात्कार में कौन से कौशल्य की परख होती है ?
३६. माध्यम से क्या अभिप्राय है ?
३७. समूह संचार का उपयोग किस लिए किया जाता है ?
३८. जनसंचार की कोई चार विशेषताएँ बताइए।

३९. निम्नलिखित किसी एक विषय पर फीचर तैयार कीजिए। (लगभग १०० शब्दों में) ५

भ्रष्टाचार की फैलती विष बेल
अथवा
वन रहेंगे तो हम रहेंगे

४०.निम्नलिखित किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। (लगभग १०० शब्दों में) ५

जैसा बोओगे वैसा ही काटोगे
अथवा
अनुशासन का महत्व

४१.' स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत ' इस विषय पर मयंक और मंजरी इन दो छात्रों के बीच हुआ संवाद २० से २५ वाक्यो में लिखिए। ५

४२. निशाद / नियती पटनायक, मानिकपुर,चित्रकूट, उत्तर प्रदेश से प्रदूषित जल वितरण सेवा से चिंतित मुख्य अभियंता, जल वितरण विभाग, चित्रकूट को शिकायत करते हुए पत्र लिखता / लिखती है। ५

****